BEGINNING OF CIVILIZATION IN INDIA

For U.G.Part-1,Paper-1

इतिहास को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है:

1. प्राक् इतिहास या प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric Age)
2. ऐतिहासिक काल (Historic Age)
3. आध् ऐतिहासिक काल (Proto-historic Age)

<u>प्रागैतिहासिक काल:</u> इस काल में मनुष्य ने घटनाओं का कोई लिखित विवरण नहीं रखा। इस काल के विषय में जो भी जानकारी मिलती है वह पाषाण के उपकरणों, मिट्टी के बर्तनों ,खिलौनों आदि से मिलती है।

<u>ऐतिहासिक काल:</u> मानव के विकास में उस काल को इतिहास कहा जाता है जिसके लिए लिखित विवरण उपलब्ध है।

Scanned with CamScanner

BEGINNING OF CIVILIZATION IN INDIA

<u>आध् ऐतिहासिक काल :</u> इस काल में लेखन कला के प्रचलन के बावजूद भी उपलब्ध लेख अभी तक पढ़े नहीं जा सके।

- ❖ भारतीय प्राक् इतिहास के जनक ब्रिटिश भू विज्ञानी **रॉबर्ट ब्रूस फुट** थे जिन्होंने मद्रास के निकट **पल्लवरम** में 1863 में पहली प्रागैतिहासिक प्रमाण की खोज की। यह प्रमाण **हस्त कुठार** था।
- ❖ 1856 ई. में **ल मेसुरिए** नाम के एक रेलवे अभियंता ने मध्य प्रदेश के **न्यागुड़ी** के पास चर्ट की बनी **तीराग्र** को पाया था।

मनुष्य की सभ्यता के आरंभिक काल को तीन भागों में विभाजित किया गया है :

1. पुरापाषाण काल (Palaeothic Age)
2. मध्य पाषाण काल (Mesolithic Age)
3. नवपाषाण काल अथवा उत्तर पाषाण (Neolithic Age)

- **जान लुबाक** ने 1863 में पाषाण युग को दो भागों पुरापाषाण काल एवं नवपाषाण काल में विभाजित किया।

Scanned with CamScanner

BEGINNING OF CIVILIZATION IN INDIA

- **एडवर्ड लारटेट** पुरापाषाण काल को निचला, मध्य तथा उच्च पाषाण काल में बांटने का सुझाव दिया।

<u>मानव अतीत जानने के स्रोत:</u> मानव अतीत की जानकारी प्राप्त करने में निम्नलिखित स्रोत सहायक है:

- शवाधान
- वनस्पति अवशेष
- मानव एवं पशुओं के अस्थि अवशेष
- संरचनात्मक अवशेष
- शैल चित्र
- प्रयुक्त औजार- यह एक काफी महत्वपूर्ण स्रोत है। कई प्रकार के औजार निर्माण में ऐसा प्रतीत होता है कि स्त्री एवं पुरुषों के समान सहभागिता रही होगी। **माइक्रोवेयर विश्लेषण** के तहत पत्थरों पर पाए जाने वाले निशान(काटने,छीलने) का अध्ययन किया जाता है।
    - ❖ होमिनिड से तात्पर्य मनुष्य से मिलती-जुलती प्रजातियों से है। वैश्विक संदर्भ में होमिनिड ऑस्ट्रेलोपीथिकस को माना जाता है।(44 लाख-18 लाख वर्षों के बीच)

Scanned with CamScanner

BEGINNING OF CIVILIZATION IN INDIA

- लगभग 20 लाख वर्ष पूर्व कूबीफोरा (केन्या) ओल्डुवाई गार्ज(तंजानिया)में होमो हैबिलिस का आगमन हुआ।
- 25 लाख वर्ष पहले हदार (यूथोपिया) नामक स्थान पर पहला पत्थर औजार पाया गया।
- 17 लाख वर्ष पूर्व पहला होमोइरेक्टस (उद्रग मानव) पूर्वी अफ्रीका में प्राप्त हुआ। तत्पश्चात यह अफ्रीका ,एशिया तथा यूरोप के विभिन्न भागों में फैला।
- होमो सेपियंस 5 लाख वर्ष पूर्व प्रकट हुए । इसे **ज्ञानी मानव** भी कहा जाता है।

भारतीय संदर्भ में होमिनिड अवशेषों के प्रमाण कम मिले है। मध्य भारत में होशंगाबाद से 40 किलोमीटर उत्तर पूर्व में नर्मदा के उत्तरी तट पर **हथनोरा** से अरुण सोनाकिया को होमिनिड मिला। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिला के **ओड्ई** से राजेंद्रन को शिशु कपाल की प्राप्ति हुई।

To be continued...

BY: ARUN KUMAR RAI

ASST.PROFESSOR

MAHARAJA COLLEGE,ARA.

Scanned with CamScanner